

PIANO
NEWSPAPER
CLIPPINGS



HAPPY INDEPENDENCE DAY

THE TIMES OF INDIA



Noida student is one of the youngest pianist to complete diploma from a London college

TNN / Jul 8, 2021, 16:24 IST

339 PTS

f FACEBOOK

🐦 TWITTER

in LINKEDIN

✉ EMAIL



Fifteen-year-old student and pianist from Noida, [Sara Kothari](#), has become one of the youngest girls in India to be a Licentiate of Trinity College, London (LTCL piano). The Licentiate examination of [Trinity College](#) is a Level 6 diploma in music performance and is equivalent to the final year of an undergraduate degree. Trinity's Performance Diplomas are the most advanced performance awards taking musicians up to a professional standard of performance and musical understanding.

A Class 10 student from Noida, Sara has been learning piano since she was six and she became an associate of Trinity College at the age of 13. Sara has also won scholarships offered by [Delhi School of Music](#). Professor Jayati Ghosh, economist and Vice-President, [Delhi Music Society](#) and [Chairperson, School Committee](#), said, "I'm so delighted to learn of Sara's wonderful achievement, at such a young age. This is a real tribute to her talent and commitment. We are proud to have been part of her musical journey and look forward to many more achievements in future." Anjali Mata, India Academic Head for Music at Trinity College, added, "I congratulate Sara for her musical achievement at such a young age. While it is her hard work, dedication & focus that brought her to this juncture, credit must also be given to Sara's parents and her teachers, who believed in her and gave direction to her talent."

FEATURED IN THE TIMES OF INDIA ON 8TH JULY 2021

<https://timesofindia.indiatimes.com/city/noida/noida-student-is-one-of-the-youngest-pianist-to-complete-diploma-from-a-london-college/articleshow/84233363.cms>

Follow Us:



Home / Education / India's youngest female pianist with Trinity certificate scores 499/500 score in CBSE Class 10 result

India's youngest female pianist with Trinity certificate scores 499/500 score in CBSE Class 10 result

Sara, a science enthusiast and winner of the Australian National Chemistry Quiz (ANCQ), wants to pursue engineering at an IIT in the future.

Written by [Sheetal Banchariya](#) | New Delhi |
Updated: August 16, 2021 12:42:48 pm



Sara became the youngest Indian female to achieve Licentiate of Trinity College London (LTCL Piano) in 2021. File.

Fifteen-year-old Sara Kothari from Uttar Pradesh, who became the youngest Indian female to achieve Licentiate of Trinity College London (LTCL Piano) in 2021, has scored 499/500 marks in the recently announced CBSE class 10 board results.

Sara, a student of Step By Step School, Noida, cleared her grade 8 piano exam from Trinity College London with distinction in 2018 at the age of 12. She became an associate of Trinity College London (ATCL Piano) in June 2019 at the age of 13.

Taking her musical education forward, she became a Licentiate of Trinity College London (LTCL Piano) in 2021 at the age of 15. The LTCL examination is a level 6 diploma in music performance and is equivalent to the final year of an undergraduate (UG) degree.

"Physics and French are my favourite subjects. For me, piano playing is a way to de-stress. While everything shifted to online mode amid Covid, my studies and piano lessons were deeply impacted. But, reading new concepts in quantum physics, time travel and listening to maestros kept me going through the tough times," Sara told [indianexpress.com](#).

She is currently a fellow of Trinity College London which is a postgraduate degree institute. Sara recently got accepted into the Juilliard Summer Performing Arts Program and the Curtis Mentor Network Program 2021, which started in July.

Sara, a science enthusiast and winner of the Australian National Chemistry Quiz (ANCQ), wants to pursue engineering at an Indian Institute of Technology (IIT) in the future. "I would also love to learn violin and pursue dual masters in music abroad. Along with being an engineer, I want to become a concert pianist," she said. Her father, Ashish Kothari, is an associate director in an IT company and her mother, Manisha Kothari, is a practising chartered accountant. When asked about the start of her musical journey, Sara said, "It all started with my mother's keenness that I learn a musical instrument. I initially learnt to play the keyboard and was later introduced to the Trinity graded structure of learning. I secured admission at the Delhi School of Music at the age of 8 and was later mentored by the Neemrana Foundation."

The piano is not a very common instrument in India where not everyone can afford the cost of personal classes and equipment. Sara too faced similar challenges, including a lack of qualified teachers, an appropriate learning environment, and future prospects.

"The major issue is finding good teachers who would teach great techniques, there is a major lack of guidance on how students should progress in the offbeat domains. Schools and parents must encourage children to follow their passions. When young children are genuinely happy and content, they tend to do well in all fields, be it extracurricular activities or academics," said Sara, who finds joy in learning musically and technically challenging pieces.

She loves the works of Sergei Rachmaninoff, Franz Schubert, Franz Liszt and Claude Debussy and Frédéric Chopin's 'noble, poetic and dramatic' music.



15 साल की उम्र में पूरा किया एलटीसीएल डिप्लोमा सारा ने इंटरनेशनल बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में बनाई जगह

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ♦ शहर की सारा कोठारी ने इंटरनेशनल बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में जगह बनाकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। 15 साल की सारा ने ट्रिनिटी कॉलेज लंदन से एलटीसीएल डिप्लोमा प्राप्त कर रेकॉर्ड बनाया है। वे भारत की सबसे कम उम्र की एलटीसीएल पियानों ग्रेडिंग प्राप्त करने वाली स्टूडेंट्स बन गई हैं। इसके अलावा सारा ने हाई रेंज वर्ल्ड रेकॉर्ड्स और वर्ल्ड रेकॉर्ड्स इंडिया में भी जगह बनाई है। सारा अभी नोएडा में रह रही हैं और वे छह साल की उम्र से पियानों सीख रही हैं। दिल्ली स्कूल ऑफ म्यूजिक के निदेशक जॉन राफेल, मयंक गिल, नीना रॉय, फिलिप एंगेल और प्रो. हेरिबर्ट कोच सहित कई नामचीन टीचर्स से पियानो सीखा है, यहां से स्कॉलरशिप भी मिल चुकी है।



मिल चुका है इंटरनेशनल अवॉर्ड

सारा के पिता आशीष कोठारी ने बताया कि सारा ने एक चेटबोर्ड बनाया था, जो क्यू मैनेजमेंट में काफी असरदार रहा। इसके तहत किसी भी स्टोर पर जाने से पहले लिस्ट को वाट्सएप कर दिया जाता है और इसके बाद प्रोडक्ट लेने जाते वक्त किसी भी को भी लाइन में नहीं लगाना पड़ता। इसके लिए इंडिया और इंटरनेशनल लेवल पर उन्हें अवॉर्ड मिल चुका है।

Page 10 of Rajasthan Patrika
Jaipur 24/05/2021



Cityभास्कर

जयपुर, सोमवार 28 जून, 2021



City Unlock कल्चरल प्रोग्राम

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शहर की विभिन्न संस्थाओं की ओर से आयोजित हुई गजल संध्या, नाटक और चतुरंग प्रोग्राम

गालिब की गजलों से महका मंच, मुंशी प्रेमचंद के हास्य व्यंग्य का हुआ मंचन

सिटी रिपोर्टर - जयपुर

इले... करने वाले... 13 रीति-... शेरक... नीचे पढ़ने... में शामिल... शेरक... आभिक... नीचे जा... मंचन... का भी जना... देकर... कि उन्हें... इसमें... में कुछ... मंचन... मंचन को... के भेरे... के... का... का...

गजलों की महकमयी स्याद से सजी महकिल को ऑनलाइन दर्शकों ने खूब सराहा। मीका था गुलजार कर्पलिन अकादमी की ओर से आयोजित संगीत सभा 'सकक' का। इसमें गजल के प्रसिद्ध कलकार उस्ताद नाजिम हुसैन और उस्ताद कलकार ख़ादिम हुसैन ने एक से बढ़कर एक गजल पेश की। इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि गजल गायक मोहम्मद कसोब थे। ख़ादिम ने कार्यक्रम को शुरूआत मिजा गालिब की गजल...कहे उमीद वर नहीं आती...दिल हो ले हे... से की। इसके बाद उस्ताद नाजिम हुसैन ने अपने मारिज हुआ राग भीमचंद्रनी, मेघमल्लार, गुदुद सारंग में पेश किया। नाजिम हुसैन के साथ इनका हुसैन ने लक़े पर संगीत की। कालिदास पर गुलजार हुसैन, गिटार पर बिलाल हुसैन, कोकिल पर ख़ादमत हुसैन, और ख़ादिम हुसैन के साथ लक़े पर नसरदीन हुसैन ने संगीत की। कार्यक्रम का संवर्धन रव्यान हाफनमोसल ने किया।



चतुरंग लॉकडाउन : रूबरू हुए साहित्यकार डॉ. जीवन सिंह

सिटी रिपोर्टर | कोरोना काल में कलाकारों और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए राजस्थान फोरम की ओर 'चतुरंग लॉकडाउन' शीर्षक में वीरठ साहित्यकार डॉ. जीवन सिंह ने साहित्यिक यात्रा में आए विभिन्न पढ़ावों के अलावा साहित्य से इन सांस्कृतिक यात्रा के अनुभव भी सुनाए। साहित्य के क्षेत्र में अनेक पुस्तकों के रचयिता डॉ. जीवन सिंह ने बताया कि उन्होंने अनेकवर्षों छद्मनामों के लेखकों और जल्दों में 'राम व जुहवा' को 'रामलीला' पुस्तक का भी लेखन किया है।



नेट-थियेट : मीडिया स्थिति पर किया गया

सिटी रिपोर्टर | नेट-थियेट के अभाव में मीडिया स्थिति पर किया गया... नेट-थियेट के अभाव में मीडिया स्थिति पर किया गया... नेट-थियेट के अभाव में मीडिया स्थिति पर किया गया...

शहर के अभीक सिंघी ने आईआईटी दिल्ली को 1 करोड़ का योगदान किया

सिटी रिपोर्टर | आईआईटी दिल्ली में 'प्रेमममं नंद व चंद्र सिंघी वेदा' की स्थापना की गई है, जो आईआईटी दिल्ली के पूर्व स्टूडेंट व जयपुर के अभीक सिंघी द्वारा अपने पैरेंट्स के सम्मान में किया गया। 1995 सेच के अभीक ने यह शुरूआत खामती पर सादर व आदरस न्युम के लिए की है। इनके निवृत्त नंद वृत्तियोज के प्रेमेसर रहे...



सिटी रिपोर्टर | नेट-थियेट के अभाव में मीडिया स्थिति पर किया गया... नेट-थियेट के अभाव में मीडिया स्थिति पर किया गया... नेट-थियेट के अभाव में मीडिया स्थिति पर किया गया...

सारा कोठारी ने लंदन से पियानो में ली एलटीसीएल की डिग्री

सिटी रिपोर्टर | सारा कोठारी ने 15 की उम्र में ट्रिनिटी कॉलेज लंदन से पियानो में एलटीसीएल की डिग्री हासिल की है। सारा के पैरेंट्स ने 6 साल की उम्र में उसे पश्चिमी शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए भेजने का फैसला किया, जिसमें से पियानो उनका पसंदीदा वाद्ययंत्र बन गया। ट्रिनिटी कॉलेज, लंदन के 'लाइसेंसिएट' (एलटीसीएल पियानो) अर्जित करने के लिए सारा को भारत में कम उम्र की फीमेल पियानिस्ट होने का सम्मान है।

आज से खुलेगा जयपुर वैक्स म्यूजियम

सिटी रिपोर्टर - जयपुर



'डाटा एनालिटिक्स प्रोफेशनल मैनेजमेंट' पर कां...

120 शोधपत्र...



ई-पेपर दैनिक भास्कर



सारा कोठारी ने लंदन से पियानो में ली एलटीसीएल की डिग्री

सिटी रिपोर्टर | सारा कोठारी ने 15 की उम्र में ट्रिनिटी कॉलेज लंदन से पियानो में एलटीसीएल की डिग्री हासिल की है। सारा के पैरेंट्स ने 6 साल की उम्र में उसे पश्चिमी शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए भेजने का फैसला किया, जिसमें से पियानो उनका पसंदीदा वाद्ययंत्र बन गया। ट्रिनिटी कॉलेज, लंदन के 'लाइसेंसिएट' (एलटीसीएल पियानो) अर्जित करने के लिए सारा को भारत में सबसे कम उम्र की फीमेल पियानिस्ट होने का सम्मान है।

सीबीएसई परिणाम



बोर्ड - 13 हजार 700 सीबीएसई स्टूडेंट्स ने परीक्षाओं में 100% अंक हासिल किए हैं।

कामयाबी | नोएडा में पांच छात्र-छात्राओं ने अच्छे अंक प्राप्त किए, ग्रेटर नोएडा के छह होनहारों ने भी बाजी मारी

जिले में 99.8% अंक हासिल किए

रिजन के 18 जनपदों में 98.78% छात्र उत्तीर्ण

नोएडा-ग्रेनो के 50 स्कूलों का परिणाम शत प्रतिशत

कैबिनेट विचारों के अंतर्गत

इन्होंने भी बाजी मारी

नोएडा-ग्रेनो के 50 स्कूलों का परिणाम शत प्रतिशत

नोएडा/ग्रेटर नोएडा | संवाददाता

सीबीएसई दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में जिले के 11 विद्यार्थियों ने 99.8% अंक हासिल किए। इनमें से पांच नोएडा और छह ग्रेटर नोएडा के हैं। इनकी कामयाबी से खुशी का माहौल है।

नोएडा एमटी में पढ़ने वाली शुभी भाटिया, बाल भारती के हर्षित कंसल, समरविल के ईशान रैना, स्टेप बाई स्टेप की सारा और खेतान पब्लिक की समृद्धि शिर्के ने 99.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। ग्रेटर नोएडा के डीपीएसके छात्र प्रियांशु चमोली व अंकुर चोंगदार ने 99.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। ज्योति सिंह ने 96 प्रतिशत अंक हासिल करके स्कूल का मान बढ़ाया। रेयान स्कूल के 316 छात्रों में से 114 छात्रों को 90 प्रतिशत से अधिक अंक मिले। स्कूल के ध्रुवी सिंह, कुशाग्र मिश्रा और कार्तिकेय ने 99.8 अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल के 106 बच्चों ने एक विषय में 100 प्रतिशत



संगीत का शौक

खेतान पब्लिक स्कूल की टॉपर सारा कोठारी के पिता आशीष कोठारी आईबीएम में एसोसिएट डायरेक्टर और मां मनीषा कोठारी सीए हैं। सारा ने 15 वर्ष में लंदन के टीएनटी कॉलेज से पियानों में एलटीसीएल (परास्नातक के समकक्ष पियानों में डिग्री) हासिल की है। उन्होंने संगीत के जरिए कई स्कारलशिप भी जीती हैं। वह स्टार्टअप की सह संस्थापक भी हैं। सारा सफलता का श्रेय अपनी मां को देती हैं।

इंजीनियरिंग

टॉपर ईशान उनके पिता अनदिता हैं। वह इंजीनियरिंग अभी से पिता की खुशी देने सफलता को देते हैं। मार्गदर्शन बढ़ाया। भी बेहद

AMAR UJALA NOIDA MY CITY NEWSPAPER 04.08.2021

my city अमर उजाला

होनहारों ने लगाई सफलता की डगर पर ऊंची छलांग

भाई सिटी रिपोर्ट

नोएडा/ग्रेटर नोएडा। सीबीएसई की दूसरी कक्षा की बोर्ड परीक्षा के परिणामों में जिले के 11 होनहारों ने 99.8 प्रतिशत अंक लाने का इतिहास रचा है। इनमें नोएडा के विभिन्न स्कूलों से पांच व ग्रेनो के छह मेधावी बच्चे शामिल हैं। नोएडा में खेतान पब्लिक स्कूल, स्टेप बाई स्टेप, एमिटी, बाल भारती व समरविल आदि स्कूलों के होनहारों ने कड़ी मेहनत से सफलता अंक लाकर जिले में अग्रणी स्थिति हासिल की है। वहीं, ग्रेनो में रायन इंटरनेशनल स्कूल के

99.8%

21462 विद्यार्थी 10वीं में हुए पास

847 छात्राएं 8615 छात्राएं हुईं पास

98.78 रहा जिले का पास प्रतिशत

नोएडा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दूसरी कक्षा के परिणामों में नोएडा के 11 मेधावी बच्चों ने 99.8 प्रतिशत अंक लाने का इतिहास रचा है। इनमें नोएडा के विभिन्न स्कूलों से पांच व ग्रेनो के छह मेधावी बच्चे शामिल हैं। नोएडा में खेतान पब्लिक स्कूल, स्टेप बाई स्टेप, एमिटी, बाल भारती व समरविल आदि स्कूलों के होनहारों ने कड़ी मेहनत से सफलता अंक लाकर जिले में अग्रणी स्थिति हासिल की है। वहीं, ग्रेनो में रायन इंटरनेशनल स्कूल के

Delhi Main 04 August 2021

अमर उजाला

सपनों को साकार करने की जिद में तपकर निखरी मेधा

टॉपर के साथ पियानिस्ट भी हैं सारा स्टेप बाई स्टेप की टॉपर सारा कोठारी शिक्षा और संगीत दोनों का जुनून साथ लेकर चलती हैं। उनके पिता आशीष कोठारी आईबीएम में एसोसिएट डायरेक्टर व माता मनीषा कोठारी सीए हैं। सारा ने मात्र 15 साल की आयु में लंदन के टीएनटी कॉलेज से पियानो में परास्नातक समकक्ष डिग्री हासिल की है। उन्होंने संगीत से कई स्कालरशिप भी जीती हैं।

499/500, 99.8% - 10th CBSE 3rd August, 2021
<https://www.sarakothari.com>





GENERAL NEWS

The Noida student is one of the youngest pianists to complete a diploma from London College. Noida News – Times of India

July 8, 2021 / news

Fifteen year old student and pianist from Noida, [Sara Kothari](#), has become one of the youngest girls in India to become a Trinity College, London (LTCL Piano) licensee. licensee exam [Trinity College](#) There is a Level 6 Diploma in Music Performance and is equivalent to the final year of the Bachelor's degree. Trinity's Performance Diplomas are the most advanced performance awards that elevate musicians to a professional standard of performance and musical understanding.

A Class 10 student from Noida, she has been learning piano since the age of six and became an associate of Trinity

EDUCATION TODAY NEWS

Date- 13/08/2021

www.educationtoday.co



India's youngest female pianist with Trinity certificate achieves 499/500 marks in CBSE Class 10 result



Fifteen-year-old Sara Kothari from Uttar Pradesh, who became the youngest Indian female to achieve Licentiate of Trinity College London (LTCL Piano) in 2021, has scored 499/500 marks in the recently announced CBSE class 10 board results. Sara, a student of Step By Step School, Noida, cleared her grade 8 piano exam from Trinity College London with distinction in 2018 at the age of 12. She became an associate of Trinity College London (ATCL Piano) in June 2019 at the age of 13. Taking her musical education forward, she became a Licentiate of Trinity College London (LTCL Piano) in 2021 at the age of 15. The LTCL examination is a level 6 diploma in music performance and is equivalent to the final year of an undergraduate (UG) degree. 'Physics and French are my favourite subjects. For me, piano playing is a way to de-stress. While everything shifted to online mode amid Covid, my studies and piano lessons were deeply impacted. But, reading new concepts in quantum physics, time travel and listening to maestros kept me going through the tough times.'

IIM-CALCUTTA LAUNCHES ONE-YEAR EXECUTIVE PROGRAMME IN HEALTHCARE MANAGEMENT

The Indian Institute of Management Calcutta today announced to offer a one-year executive programme in healthcare management (EPHM) commencing from September 2021. The programme aims to provide an outlook of the healthcare sector across the world, the latest policies and their implementation. This also comprises practices such as disaster and epidemic management which is extremely relevant for professionals in the current environment. Indian healthcare sector and inculcating comparative frameworks in understanding healthcare challenges in developing countries. Applicants can apply till the end of August 2021 at timestsw.com/course/iim-calcutta-executive-programme-in-healthcare-management/. The objective of the programme is to develop an interdisciplinary orientation towards the management of healthcare and training the participants in managerial leadership. The course also familiarises participants with innovation and entrepreneurship in the

CALCUTTA UNIVERSITY UG, PG ADMISSIONS 2021: ENTRANCE EXAM SCHEDULE RELEASED

The University of Calcutta has released the

MAHARASHTRA GOVERNMENT DIRECTS SCHOOLS TO WAIVE OFF FEES BY 15 PER CENT

The Maharashtra Government on Thursday directed school managements across all boards and mediums to waive off 15 per cent of the fees for the academic year 2021-22. As per a Government Resolution (GR) issued by the school education department, fees if paid fully should be refunded by schools or the excess amount should be utilised for the next academic year. In case of a dispute, a petition should be filed with the divisional fee regulatory authority and its decision will be binding on all, the order stated. The government has also directed school managements not to prevent students from availing online or offline education, or bar them from sitting for examinations and withhold results if they haven't paid their fees. All school boards and mediums will implement the order waiving off fees by 15 per cent with immediate effect, it stated. Parents' bodies have been demanding some relief from the state government in terms of slashing school fees in view of the COVID-19 pandemic situation.

Comparative Literature will be held on August 26 at 10 am and 2 pm, respectively. Several associations of state-run university teachers of West Bengal had earlier said that

SCHOOLS TO REOPEN IN RAJASTHAN FROM SEPTEMBER

The government of Rajasthan will reopen schools from class 9 to 12 with 50 per cent capacity from September 1, announced the state Education Minister Govind Singh Dostasra today. The teaching and non-teaching staff need to mandatorily have taken at least one dose of COVID-19 vaccine 14 days prior to this. Besides schools, colleges and coaching institutes are allowed to open from September 1. A detailed guidelines will be released soon. Last month, Govind Singh Dostasra said the chief minister would take the final call on the reopening of schools after discussing all aspects with the committee, two days after he tweeted that the schools would open from August 2. While many states like Punjab have already reopened schools, others are planning to start offline classes by mid-August.



Shanghai 2022, Education Minister of Delhi Manish Sisodia said on social media. The Education Minister Manish Sisodia took to his micro-blogging site to announce this. He said

WhyQ
NEWSPAPER
CLIPPINGS

Business Standard

HOME MARKETS COMPANIES OPINION TECH SPECIALS PF PORTFOLIO MULTIMEDIA COVID-19 IPL 2021 ELECTIONS
Today's Paper Latest News Economy Finance Current Affairs International Management Strategist Weekend Data Stories BS Reads

Too young to vote, these teens have set up app-less, contactless Kirana biz

Now with the number of Covid cases declining, Relan and team may look at other startup ideas

Topics

Indian start-ups | Tech sector | Kirana stores

Nivedita Mookerji

Last Updated at February 8, 2021 06:10 IST

Market GO

Saddle Shoe Rack (L)
₹259
[Learn more](#)

Watson Bedside Table
₹109

High-school kirana bonhomie, virtually

A group of teenagers, who started WhyQ with the idea of social distancing, talk about their journey

NIVEDITA MOOKERJI

These entrepreneurs are nowhere near the unicorn club yet. Problem-solving gives them a high, coding is at the centre of their universe, they have gone through the exercise of investor pitch many times and have faced rejection. They are co-founders of a technology-led business that started as an idea to mitigate risk during Covid-19. What sets them apart is that there's no app driving their business, and that they are not eligible to cast vote or hang out in a pub drinking yet.

Meet Jai Relan, Tejas Mehta, Sara Kothari and Jasraaj Puri, all high schoolers and co-founders of WhyQ — a WhatsApp chatbot-based platform to help Kirana stores sell stuff through a queue management solution to ensure social distancing.



From left: WhyQ founders Jai Relan (CEO), Tejas Mehta (COO), Sara Kothari (CFO), and Jasraaj Puri (CTO). They are now looking for other start-up ideas and also tie-ups with Reliance Jio, Zomato, Swiggy, Dunzo and more

competition in October 2019..." The New Delhi-based founders have met face-to-face only three to four times,

have the board exam stress. Mehta, known as the 'jugadu' of the team, joins a Zoom conversation to say, "I

would find it easier to transact on an app or a messaging platform like WhatsApp.

been influenced by his computer engineer dad.

For now, the co-founders are not taking home any salary, though there have been students on the rolls when the platform was being developed. With some few hundred users already trying the platform and a few dozen kiranas onboard, the number of orders on a typical day could be upwards of 100.

Jasraaj Puri, the senior most co-founder and CTO of the company, is a hardcore coder. Puri talks of making an impact like a seasoned top executive. "Sure, we are teenagers who are doing this part time, but we feel we are making some sort of an impact."

This is how the WhyQ tech works. Individuals are assigned a time slot to come to kirana stores. The platform pre-collates an individual's order

सुबिचर
दुसरा लोक सभासभा की पाइ
दिखी है, बाकी खड़े ही उसका
किंग की जगह लया देते हैं।

दैनिक भास्कर

अपम पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वक्रीय और नया 1 जलका

सामक (100 कोड)		अपम पढ़ रहे हैं
मुद्रा	अपम	100 कोड
पत्रिका 20.2	25.5	27.0
दिना 19.0	18.2	19.0
दुसरा 29.2	29.7	28.0
नियमन 27.5	26.4	26.0
सभी की पाइ	सभी की पाइ	44.7

DainikBhaskar.com

नई दिल्ली रोजर 31 मई, 2020

जोकर, मुद्रा पत्र-नया, 2020

12 बजे 100 कोड

भास्कर खास • 14 से 18 साल के छह किशोरों ने दुकानों पर मीड प्रबंधन के लिए ईजाद की तकनीक दिल्ली के किशोरों ने सोशल डिस्टेंसिंग से किराना खरीदी का हल खोजा, वॉट्सएप चैट-बोट से बुकिंग और पेमेंट

प्रिया कुमार निरुधम | नई दिल्ली

कोरोना जैसी परिस्थिति में दिल्ली-एनसीआर के छह स्कूलों के किशोरों ने निम्नलिखित को है। उन्होंने वॉट्सएप चैट-बोट तकनीक से एक सिस्टम तैयार किया है। इससे किराना दुकान से सामान लेने के लिए कोई बाइकार भी सोशल डिस्टेंसिंग का नियम नहीं तोड़ सकता है। यह उन लोगों के लिए जगह बनाने है, जो संक्रमण के डर से घर में निकलने में परहेज कर रहे हैं। भास्कर कुजुम इसके जरिये राजस्थान का सामान खरीद रहे हैं। इससे किराना वाले को भी फाइनेल है कि उसका काम सब सामान ज्यादा बिक रहा है। इस तकनीक की शुरुआत दिल्लीसय तर्किक



से हुई। सोशलडिस्टेंसिंग लागते ही कुछ किशोर एक ऑनलाइन 'प्लेटफॉर्म' पर मिले थे। जब पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल डिस्टेंसिंग पर ज़ोर दिया, तो सामने भी इसी दिशा में कुछ करने की ठाने। कई लोगों से बात की। इस संकेत से निष्कर्ष कर

दुकानदार के बताए टाइम स्लॉट पर सामान ले सकते हैं

जय बताया है, 'यह तकनीक वॉट्सएप के जरिये चलती है। प्रत्येक सामान चुक करता है। दुकानदार टाइम बता देता है। बाइक को पेमेंट के द्वारा ऑनक मिलती है। इसके बाद सामान लेने के लिए टाइम स्लॉट मिल जाता है। आप तब समय पर दुकान से सामान ला सकते हैं।'

आज कि किराना दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का फलन सबसे बढ़ती है, क्योंकि यहाँ सबको सामान लेने आना ही है। इसके बाद स्टार्टअप कंपनी 'व्हाट्सयू (Whatsu)' की नींव रखी गई। कंपनी के संस्थापक जय देवता 14 साल के

हैं और अब 10वीं कक्षा में पढ़ते हैं। उन्होंने बताया, 'टीम के सदस्यों जयराज पुरी, साय केशरी, देवस मेहत, अदिति अग्रवाल और पृथ्वी ओक ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर की मदद से वॉट्सएप चैट-बोट तैयार किया।'

जय बताते हैं, 'इसकी अलगगैरिडम देती है कि दुकानदार को पट्टे लगात है कि कि सोशल डिस्टेंसिंग नहीं हो पाएगी, तो वह आपको दूसरा टाइम स्लॉट दे देगा। अभी दिल्ली के तीन पार्क इलाके की आउटलेट्स सोसायटी में 100 से ज्यादा प्रकॉक और आज दर्जन दुकानदार इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। तकनीक की ऑपेरेसनल कस्ट करीब पांच हजार रुपए महीना है। इसके लिए फंड अपनी 'फंडिंगनी और डोनेशन से जुड़ रहे हैं।'

Home > Business > Startups > News >> These Indian Teenagers

These Indian teenagers have come up with a queue management solution for retailers to ensure people don't crowd stores

■ SANCHITA DASH | MAY 30, 2020, 13:57 IST



The teenagers behind WhyQ

<https://www.businessinsider.in/business/startups/news/these-indian-teenagers-have-come-up-with-a-queue-management-solution-for-retailers-to-ensure-people-dont-crowd-stores/articleshow/76105429.cms>

Teenagers develop chat-bot to manage shopping queues in Covid-19 times

Sagar Kulkarni, DHNS, JUL 19 2020, 16:15 IST | UPDATED: JUL 19 2020, 20:06 IST



HEADLINES
China's Envoy Announces Rollout Of Covid-19 Support For India Through Red...

4 MIN AGO



HEADLINES
Tamil Nadu Logs 28,897 New Covid-19 Cases; Sterlite To Produce O2 From May...

4 MIN AGO



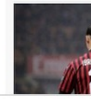
NATIONAL
Centre Gives Nod To Recruit Retired 400 Medical Officers For Covid-19...

11 MIN AGO



HEADLINES
US Turning Corner On Pandemic, Says White House Covid-19...

13 MIN AGO



HOME
JUV Vs MIL Dream11 Team Prediction Serie A 2021: Captain, Vice-Captain -...

NATIONAL

Teenagers develop chat-bot to manage shopping queues in Covid-19 times



Sagar Kulkarni,

A group of teenagers in the national capital have come up with a technological solution to avoid

Indian Institute
of Technology,
Delhi

**NEWSPAPER
CLIPPINGS**

Time of India, June 25

Ideas to save lives from school kids at IIT camp

Shinjini.Ghosh@timesgroup.com

New Delhi: Be it trekkers who get stranded, road accidents caused by drowsy drivers or surveying a calamity-hit region, new tech solutions are in the offing. These technological advances were showcased on Friday by 25 schoolchildren who attended a boot camp called 'Change Makers' organised by Indian Institute of Technology, Delhi.

Stating that drowsiness was a major cause of road accidents in the country, three students employed a camera supported by artificial intelligence to create a 'somnolence preventer', a device to detect drowsiness in drivers and alert them.

Jayant Chauhan, a Class XII student of Dr BR Ambedkar School of Specialised Excellence, Kalkaji, said, "This product is especially useful for those who regularly drive late at night. The camera, supported by AI, monitors the eye and posture of the neck. The moment the posture changes from upright or the camera doesn't detect the eye blinking for 2-3 seconds, a voice message says, "Please wake up" or "Please sit up straight".

As for social problems, devising appropriate solutions was at the core of the five-week Change



Photos: Rajesh Mehta

These technological advances were showcased on Friday by 25 schoolchildren who attended a boot camp called 'Change Makers' organised by IIT-D

Makers camp. As part of this, Jai Ansh Bindra and Rishab Raj came up with 'Roll Infinity: The Rolling Robot'. Explaining what the robot does, Bindra said,

"Communication gets cut off in cases of disasters. With the help of this robot, surveillance of the area can be carried out even in areas inaccessible to drones or helicopters." The student said that the duo planned to add a communication model that can announce when help can be expected.

The safety device developed

by Mrinalini Singh and Nitish Manocha can come to the aid of stranded trekkers. "In our product, we have a button to transmit an alert for immediate rescue along with the exact coordinates of the helpless people," said Singh. "We will embed two more buttons, including one for orange alert to be used in a situation where the trekker is lost but is trying to find his way out and the rescuers can plan accordingly."

In the same spirit, two Class XII students have created a real-time Braille converter to help

the visually impaired in reading books. Vani Bedi explained, "The current Braille books are expensive, both economically and technologically, including the one that converts text to audio. But with our product, one only needs to keep the book in front of a camera which recognises the text and converts it in real time. Our plan now is to make the product more portable."

Professor Jay Dhariwal, co-ordinator of the programme, said that the initiative connected high schoolers with premier in-

stitutions and their R&D facilities. "At the camp, students freely threw up ideas. We only guided them. Apart from the staff and faculty, IIT-D's research scholars, undergraduate and post-graduate students also guided the schoolchildren."

Rangan Banerjee, IIT-D director, added, "It was fascinating to see the enthusiasm, ideas and initiative of the young school students. We hope to enthuse school children to learn by thinking about and solving societal problems."



Navodaya Times

आईआईटी दिल्ली: स्कूली छात्रों ने स्ट्रेचर में तब्दील की जा सकने वाली कार की सीट का प्रारूप बनाया

डिसक्लेमर: यह आर्टिकल एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतटाइम्स.कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा Updated: 24 Jun 2022, 7:38 PM



Subscribe YouTube 6M



नयी दिल्ली, 24 जून (भाषा) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी), दिल्ली में एक प्रशिक्षण शिविर में स्कूली बच्चों ने पुनर्वास कार्य की निगरानी के लिए उपकरण, आरओ (रिवर्स...

Navbharat Times

ThePrint

SOS wand for trekkers & robot for flood aid — teen 'change-makers' make waves at IIT bootcamp

25 school students selected by IIT-Delhi for a five-week 'Change.Makers' bootcamp have come up with some promising solutions for common problems.

SONIYA AGRAWAL 26 June, 2022 11:00 am IST



ThePrint



Hindustan Newspaper

NEWS STATION

Home NEWS STATION TELL ME DOCTOR MAUSAM STATION TECHNOLOGY STATION BUSINESS ST

School students showcase promising prototypes they built at Change Makers summer boot camp organised by IIT Delhi

Twenty-five high schoolers (classes 11 and 12) successfully completed a Do-It-Yourself (DIY) summer boot camp 'Change.Makers' organised by IIT Delhi

Siddharatha June 24, 2022 1,195 2 minutes read

Facebook Twitter LinkedIn Pinterest WhatsApp

Twenty-five high schoolers (classes 11 and 12) successfully completed a Do-It-Yourself (DIY) summer boot camp 'Change.Makers' organised by IIT Delhi and showcased the prototypes built by them on

THE HANS INDIA LATEST NEWS HYDERABAD NEWS ENTERTAINMENT CRICKET PI

Home > News > National

Makers summer boot camp exhibition held today at IIT Delhi

Archana Rao
Hans News Service | 24 June 2022 8:44 PM IST

Facebook Twitter WhatsApp Telegram Messenger Plus



HIGHLIGHTS

25 school students from different parts of the country displayed prototypes built by them here at Indian Institute of Technology, Delhi on Friday.

Makers summer boot camp exhibition held today at IIT Delhi

The Hans India

IND Dark Mode SIGN IN f t i

TIMES NOW

Home Latest News India Business Education Entertainment News Viral Sports Health Videos Cryptonow LOT 2022 Live TV

TRENDING: Morbi Bridge LIVE Cable Bridge Video T20 World Cup PM Modi Viral Video Dear Bumper Optical illusion

IIT Delhi summer boot camp successfully achieved by Class 11 and Class 12

Indian Institute of Technology, IIT Delhi had organised a Do-It-Yourself, DIY summer boot camp named 'Change Makers' for the students of Class 11 and Class 12. The summer boot camp is successfully accomplished today, June 24, 2022. 25 students of Class 11 and Class 12 participated in the summer boot camp according to the press release

TN Education Desk | Updated Jun 24, 2022 | 05:23 PM IST

NEWS by CAREERS 360

Featured Latest Education News Exams Colleges

Top Searches: DU Merit List 2022 JEE Main 2023 Registration CTET 2022 Application Form MHT

Home >> College >> IIT Delhi: School students showcase prototypes at IITD summer boot camp

IIT Delhi: School students showcase prototypes at IITD summer boot camp

IITD: The students used the research facility at IIT Delhi to develop their prototypes, received guidance from faculty and student mentors.

School Science
Fair Electric Bike
and Application
**NEWSPAPER
CLIPPINGS**

नोएडा के छात्रों ने बनाई ई बाइक

नोएडा, 19 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा के स्टेप बाई स्टेप स्कूल के 12वीं के छात्रों ने ई बाइक बनाई है। इसे साइकिल को मोडिफाई और गैजेट के प्रयोग से बनाया गया। छात्रों ने इसे बिजली नाम दिया है। ये ऐसी बाइक से जिसे ऐप आपरेट भी किया जा सकता है। इसका श्रेय स्कूल हार्दिक त्यागी, अहान बोहरा, आदित्य जेटली, देवांश लाल, अथर्व शुक्ला और ध्रुव रावल और उनकी क्लास को जाता है। शिक्षक गौरव लुधियानी ने बताया कि ऊर्जा विज्ञान प्रतियोगिता के लिए इसे विकसित किया गया। ये ई-बाइक




बिजली दिया नाम, ऐप से भी होगी संचालित

कॉम्पैक्ट, हल्की बाइक हैं जो आपको न केवल चिकनी, बल्कि उबड़ खाबड़ इलाकों को पार करने में आपकी मदद करेगी। ये

बाइक 350 वॉट हब मोटर द्वारा संचालित, मोटराइज्ड व्हील स्पोक्स और 36बी-6ए बैटरी द्वारा चार्जबल है। इसकी कीमत 15 हजार रुपए आंकी गई है। ये ऐप द्वारा संचालित भी की जा सकती है। इसके लिए स्कूल के ही सारा कोठारी, अरहान गर्ग और आर्यन खन्ना द्वारा एक

बिजली ऐप तैयार किया गया है। जो आपको गंतव्य तक एक नियत समय में पहुंचने में मदद करेगा। खास बात ये है कि ये ई बाइक पूरी तरह से ग्रीन मॉडल पर आधारित है। जिससे किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं होगा।






दैनिक भास्कर

🏠 होम
▶ वीडियो

का पार करने में आपका मदद करेगा। ये बाइक 350 वाट हब मोटर द्वारा संचालित, मोटराइज्ड व्हील स्पोक्स और 36V-6A बैटरी से चार्जबल है। इसकी कीमत 15 हजार रुपये आंकी गई है।



छात्रों ने तैयार की ई-साइकिल।

इसके लिए स्कूल के ही सारा कोठारी, अरहान गर्ग और आर्यन खन्ना द्वारा एक बिजली ऐप तैयार किया गया है। जो तय समय में पहुंचने में मदद करेगा। खास बात ये है कि ये ई-साइकिल पूरी तरह से ग्रीन मॉडल पर आधारित है। जिससे किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं होगा।